

5425

- (b) Niyamasara
नियमासार
(c) Anastikaya
अनस्तिकाय
(d) Nayavada
नयवाद
(e) Soul
आत्मा
(f) Dravya
द्रव्य

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **5425** **I**

Unique Paper Code : 2135000011

Name of the Paper : Introduction to Jain
Philosophy, Ge

Name of the Course : **Common Prog Group,**
NEP UGCF 2022

Semester : VI

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 90**

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

Note: Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (a) Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना
रोल नंबर लिखें।

- (b) Unless otherwise required in a question,
answer should be written either in
Sanskrit or in Hindi or in English, but the
same medium should be used throughout
the paper.

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Write an essay on the origin and development of Jainism. 18

जैन धर्म का उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

OR

अथवा

Explain the concept of Jainism.

जैन धर्म की मूल अवधारणाओं पर प्रकाश डालिए।

2. Explain the anekantavada theory of Jainism. 18

जैन दर्शन के अनेकान्तवाद सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

OR

अथवा

Elaborate the theory of Syadvada mentioned in Jain philosophy.

जैन दर्शन में वर्णित स्यादवाद के सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

3. Explain rituals according to Jainism. 18
जैन धर्म में वर्णित आचरणों पर प्रकाश डालिए।

OR

अथवा

Explain the Ahimsa and Upavasa according to Jainism.

जैन धर्म में वर्णित अहिंसा एवं उपवास पर प्रकाश डालिए।

4. Explain the impact of Jain philosophy in Indian society. 18

जैन दर्शन का भारतीय समाज पर प्रभाव निरूपित कीजिए।

OR

अथवा

Sketch the status (position) of Jainism in modern society.

आधुनिक समाज में जैन धर्म का स्थान निरूपित कीजिए।

5. Write short notes on any **three** of the following topics : 6×3=18

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(a) Dharma

धर्म